दैनिक डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 8 अंक : 267 | इंदौर, शुक्रवार 07 अप्रैल, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

- UP : आकांक्षा दुबे केस में आरोपी समर सिंह को पुलिस ने ढूंढ निकाला, मिल सकते हैं इन अनसुलझे सवालों के जवाब
- Amritpal: तलवंडी साबो में आज सरेंडर करेगा अमृतपाल! पंजाब पुलिस तैयार, 14 अप्रैल तक कर्मियों की छुट्टियां रद्द
- Delhi: मनीष सिसोदिया ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, कहा- 'भारत की प्रगति के लिए एक शिक्षित पीएम होना जरूरी'
- Corona Alert: देश में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 6050 केस आए; बीते दिन से 13 फीसदी बढ़े नए केस
- Tuni Agnikand: चार मंजिला घर में आग लगने से जिंदा जल गए चार मासूम, मौके पर पहुंची डीएम सहित अधिकारियों की टीम

निलंबित जेल अधीक्षक के लॉकर में मिला 3 किलो सोना

प्रॉपर्टी के दस्तावेज और एफडी भी मिली 100 कर्मचारियों के PF के गबन का आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन की केंद्रीय जेल भैरवगढ़ में करोड़ों के गबन की आरोपी पूर्व जेल अधीक्षक उषा राज का बैंक लॉकर खुलवाया गया। गुरुवार रात तक लॉकर की सर्चिंग चलती रही। इसमें करीब तीन किलो सोना, डायमंड ज्वेलरी, एफडी और प्रॉपर्टी संबंधी कई दस्तावेज पुलिस को मिले हैं। गबन के मामले में ये बड़ी रिकवरी बताई जा रही है। इधर, एसआईटी में अभियोजन अधिकारियों को भी शामिल कर लिया गया है।

उषा राज ने पुलिस को पूछताछ में अब तक कुछ खास जानकारी नहीं दी है। मामले में डीपीएफ के अलावा पे-बिल सहित कई तरह की गड़बड़ी सामने आई। इस बीच रिकवरी को लेकर पुलिस को कोर्ट ने उषा राज के लॉकर खोलने की अनुमति दे दी। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद भी पुलिस को कई घंटे बैंक में जद्दोजहद करनी पड़ी, तब जाकर सेठी नगर की बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर खुलवाया जा सका। उषा राज की 8 अप्रैल को रिमांड खत्म होने जा रही है। पुलिस शुक्रवार को लॉकर में मिले ज्वेलरी दस्तावेज का खुलासा कर सकती है।

● एसआईटी में इन्हें भी किया शामिल

उप संचालक अभियोजन डॉ. साकेत व्यास, एडीपीओ नीतेश कृष्णन और उमेशसिंह सेंगर को भी एसआईटी में शामिल किया गया है। एसपी सचिन शर्मा के निर्देश के बाद केस डायरी तैयार करने में अभियोजन पक्ष मजबूत रहे व कोई कमी न रह जाए, इसलिए अब एसआईटी में अभियोजन अधिकारी भी हर पहलू को विधि अनुसार कागजी प्रक्रिया से मजबूत कराएंगे।

जेल प्रहरी देवेंद्र रायसेन से गिरफ्तार

बंदी से जबरिया वसूली के आरोप में फरार जेल प्रहरी देवेंद्र चौहान को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह रायसेन में बहन के यहां छिपा हुआ था। सीएसपी अनिल मौर्य ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बताया कि कोर्ट में पेश करने पर जेल प्रहरी व जगदीश परमार का एक दिन का रिमांड मिला है।

100 जेलकर्मियों के पीएफ अकाउंट में की सेंधमारी

केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के 100 कर्मचारियों के पीएफ अकाउंट में सेंधमारी हुई। जेल अकाउंटेंट द्वारा अपने दो जेल प्रहरी साथियों के साथ पिछले 5 साल से जेल कर्मचारियों के पीएफ अकाउंट से 15 करोड़ रुपए निकाल लिया गए। खास बात ये है कि न तो पीड़ितों ने पीएफ निकालने के लिए आवेदन किया, न ही दस्तखत किए, फिर भी उनके पीएफ अकाउंट से पैसे निकल गए। ट्रेजरी के अफसर के अफसर ने इस गबन को पकड़ा, जिसके बाद से मामले में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

थाने से बंदूकें लूटने वालों को छुड़ा ले गए अतिक्रमणकारी

एक दिन पहले ही पकड़ाए थे; हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बुरहानपुर। बुरहानपुर के नेपानगर में देर रात अतिक्रमणकारियों ने पुलिस थाने पर हमला कर दिया। करीब 60 अतिक्रमणकारियों ने स्टाफ से मारपीट भी की। वे वन चौकी से बंदूकें लूटने के आरोपियों को छुड़ाकर ले गए। हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। तीनों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

बाकड़ी वन चौकी से बंदूकें लूटने वाले आरोपी सीवल निवासी हेमा मेघवाल और अन्य दो को पुलिस ने एक दिन पहले ही पकड़ा था। हेमा को गुरुवार शाम बुरहानपुर में मीडिया के सामने पेश कर पुलिस ने नेपानगर थाने में रखा था। अतिक्रमणकारियों ने एएसआई गुलाब सिंह, अजय मालवीय और एक अन्य पुलिसकर्मी से मारपीट की। पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ भी की है। हमले के बाद पुलिस ने नगर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है।

● थाने में रात में थे चार पुलिसकर्मी

एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि रात में थाने में चार लोग थे। करीब 60 लोगों ने हमला किया। उनके चेहरे सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। उन्होंने बताया कि अगर हमलावर आत्मसमर्पण करने वाले अतिक्रमणकारियों में से हैं तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कल हेमा को पकड़ा था। इसके अलावा मगन पटेल और नवाड़ी पटेल था। जल्द हमलावरों के खिलाफ एक्शन लेंगे।

एक ही दिन में पूरे शहर को नाप दिया नवागत निगम आयुक्त ने

ट्रेंचिंग ग्राउंड, 56 दुकान एवं डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य देखें

● सफाई व्यवस्था में इंप्रूवमेंट करने के लिए दिए निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर नगर निगम की कमान संभालते ही नवागत आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह ने सुबह लगभग पौने 6 बजे ही शहर भ्रमण पर निकल पड़ी। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शहर के अलग अलग क्षेत्रों में जाकर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था देखी।

आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा आज प्रातः 5: 45 बजे से शहर की सफाई व्यवस्था एवं शहर का निरीक्षण मधुमिलन चौराहे से प्रारंभ किया। मधुमिलन चौराहे पर स्थित निगम के हाजिरी सेंटर पर सफाई मित्रों की उपस्थिति किस प्रकार दर्ज होती है और किस प्रकार से सफाई मित्रों द्वारा बीट अनुसार अपने कार्य क्षेत्र में सफाई कार्य किया जाता है इस संबंध में संबंधित सीएसआई, दरोगा एवं सफाई मित्रों से बात की गई तथा जानकारी ली गई।

कान्ह नदी का किया अवलोकन

इसके पश्चात आयुक्त द्वारा मधुमिलन चौराहे से आरएनटी मार्ग रोड होते हुए रीगल चौराहा, पालिका प्लाजा, कोठारी मार्केट, महारानी रोड होते हुए कृष्णपुरा छतरी तक सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। कृष्णपुरा छत्री के पास स्थित नदी का अवलोकन करते हुए नगर निगम इंदौर द्वारा नाला टेपिग कार्य एवं नदी नाला सफाई अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों को दिखा एवं इस संबंध में भी संबंधित अधिकारी से जानकारी ली गई।

राजवाड़ा एवं गोपाल मंदिर में किए गए जीर्णोद्धार का कार्य देखा

आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा इंदौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत राजवाड़ा एवं गोपाल मंदिर में किए गए जीर्णोद्धार कार्य के तहत उक्त क्षेत्र का भी अवलोकन किया गया। इसके पश्चात आयुक्त द्वारा मारोठिया बाजार, शीतला माता बाजार, सराफा चौपाटी एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में किस प्रकार से सफाई कार्य किया जाता है इस संबंध में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी ली गई, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि शहर के प्रमुख क्षेत्रों एवं बाजारों में प्रातः काल एवं रात्रि कालीन में अलग-अलग पारियों में सफाई कार्य किया जाता है। सराफा में लगने वाली चौपाटी के संबंध में जानकारी दी गई कितनी दुकानें लगती है कितने बजे तक रहती है रात्रि में सफाई कब से की जाती है आदि जानकारी ली गई!

56 दुकान क्षेत्र की देखी सफाई व्यवस्था

इसके पश्चात आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा एमजी रोड, कोठारी मार्केट, रीगल चौराहा, हुकुमचंद घंटाघर होते हुए 56 दुकान क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। 56 दुकान क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान यहां की सफाई व्यवस्था यहां पर उपयोग की जाने वाली लेटों आदि के संबंध में पूछने पर व्यवसाई द्वारा बताया गया कि यहां पर डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया जाता दुकानों से कचरा कलेक्शन किस प्रकार से किया जाता है इस संबंध में भी जानकारी ली गई यहां कचरा सेग्रीगेशन होता है और सफाई कार्य किस प्रकार से किया जाता है। इसके पश्चात आयुक्त द्वारा राजशाही जीटीएस का निरीक्षण करते हुए यहां पर किस प्रकार से डोर टू डोर के माध्यम से कचरा संग्रहण तथा किन किन क्षेत्रों से कितनी कितने वाहनों से कचरा संग्रहण किया जाता है और किस प्रकार से कचरे को शहर के ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित प्लांट पर भेजा जाता है के संबंध में भी विस्तार से जानकारी ली गई।

टेचिंग ग्राउंड का किया दौरा

आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा पलासिया चौराहा, साकेत नगर चौराहा, तिलक नगर, बंगाली चौराहा होते हुए ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित प्लांट का अवलोकन किया गया, यहां पर शहर के विभिन्न जीटीएस से लाए गए गीले एवं सूखे सेग्रीगेट कचरे का किस प्रकार से निपटान किया जाता है यह भी समझा। इसके पश्चात आयुक्त द्वारा रेसीडेंसी क्षेत्र के पास स्थित अहिल्या पुरी कॉलोनी में डोर टू डोर कचरा वाहन पर रहवासियों द्वारा कचरा किस प्रकार से दिया जाता है अवलोकन किया, उन्होंने देखा कि किस प्रकार से नागरिक निगम के डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन में अपने साथ घर से लाए हुए अलग-अलग डस्टबिन में रखें सेग्रीगेशन कचरे को निगम के वाहन में डाल रहे हैं। नागरिकों से बात की पूछा की गाड़ी समय पर आ जाती है नागरिकों द्वारा बताए गए की प्रतिदिन गाड़ी समय पर आ जाती है वेस्ट कपड़ा का क्या करते हैं नागरिकों ने बताया कि उसे दान किया जाता है आयुक्त द्वारा सफाई व्यवस्था में इंप्रूवमेंट करने के लिए मुख्य स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉक्टर अखिलेश उपाध्याय निर्देश भी दिए गए!

योजना क्रमांक 155 में फ्लेट प्राप्त करने हेतु आवास मेला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आईडीए की योजना क्रमांक 155 में आवास मेले के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणी के आवासीय प्रकोष्ठ जिनमें 2- आर. के. फ्लेट (मूल्य रू 9.74 से 9.86 लाख तक) 1- बी. एच. के. फ्लेट (मूल्य रू. 15.35 से 15.81 लाख तक) 2 - बी. एच. के. फ्लेट (मूल्य रू 20.09 से 21.01 लाख तक) के व्ययन हेतु उपलब्ध है, जिनकी अंतिम 11 अप्रैल है।

अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा ने बताया कि योजना में फ्लेट लेने की अंतिम दिनांक में अभी 5 दिन है, परन्तु इसके पूर्व बड़ी संख्या में व्यक्ति अपनी पसंद अनुसार फ्लेट लेने की कार्यवाही कर रहे है। योजना क्रमांक 155 में पुनः आवास मेले के स्वरूप को कायम रखते हुए बड़ी संख्या में कर्मचारी / अधिकारियों योजना में ही उपस्थित रह कर फ्लेट चाहने वाले व्यक्तियों को स्थल पर आवेदन प्रपत्र भरने में मदद करने हेतु ड्यूटी लगाई गई। साथ ही वहाँ पर वित्तीय मदद प्रदान करने के उद्देश्य से 5 विभिन्न बैंको के प्रतिनिधि भी स्थल पर उपलब्ध है, जो लगातार फ्लेट चाहने वाले व्यक्तियों को वित्तीय लोन तत्काल उपलब्ध करवाने में मदद कर रहे है। वित्तीय लोन तत्काल उपलब्ध होने से योजना में अतिरिक्त प्रतिसाद मिल रहा है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी आर.पी. अहिरवार ने बताया कि प्राप्त आवेदनों को दिनांक 17 अप्रैल को लॉटरी द्वारा आवंटित किया जावेगा, काफी संख्या में व्यक्ति अपनी पसन्द का फ्लेट अक्षय तृतीया के पहले प्राप्त कर सकेंगे ।

मल्हारगंज थाने के पीछे व जेलराड में स्थित कुऐं-बावडी को किया अतिक्रमण से मुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव व आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा शहर में निगम रिकॉर्ड अनुसार 629 जल स्त्रोत की सूची का संबंधित क्षेत्र के भवन अधिकारी व भवन निरीक्षक के माध्यम से मौका मुआयना व सर्वे कर, जल स्त्रोत पर किये गये निर्माण व अतिक्रमण को निगम द्वारा शहर हित व जनसुरक्षा व जनहित में हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। इसी क्रम में झोन क्रमाक 03 अंतर्गत राजकुमार ब्रिज से जेल रोड होते हुए, स्नेहलतागंज में प्रशांत गली में कुऐं पर स्लेब डालकर बनाई गई सडक का हटाते हुए, जनसुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए, उक्त कुऐं का भराव किया गया। झोन क्रमांक 02 अंतर्गत मल्हारगंज थाने के पीछे महंत कॉम्पलेक्स में कुए को कवर कर पार्किंग का निर्माण करने पर आज रिमूव्हल विभाग द्वारा उक्त पार्किंग स्थल को हटाकर कुऐं को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। कार्यवाही के दौरान भवन अधिकारी श्री शांतिलाल यादव, श्री विवेश जैन, भवन निरीक्षक श्री विनोद मिश्रा, रिमूव्हल विभाग के अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

कांकड़ आरती के साथ हुआ सुंदर काण्ड की चौपाईयो का हवन

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर पर लगा भक्तो का तांता

इंदौर। नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मंदिर में महंत मंगलदास महाराज खाकी के सानिध्य में श्री हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।सुबह 6 बजे जन्म कांकड़ आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। संयोजक मीना राणा अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति पर सुंदर काण्ड की चोपाइयो से हवन किया गया,जिसमे पूर्व पार्षद दिलीप शर्मा, राजेंद्र मित्तल,ऋषभ जैन,ललित परदेशी ने हनुमानजी की विशेष श्रृंगार किया। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि दिनभर भक्तो का तांता लगा रहा। हनुमानजी को विशेष चोला चढ़ा। प्रसादी हुई,जिसका सभी ने आनद लिया।जय श्रीराम और जय हनुमान के जयघोष लगे। इस मौके प विजय सिंह बिसेन,महेश पाल,दिनेश दुबे,रचना ठाकुर,महेश पाल चेतन रघुवंशी, बबूलू कोशल विशेष रूप से उपस्थित थे।

हर व्यक्ति को भारतीय परंपराओं को समझना जरूरी : आचार्य पं.श्री अनिरुद्धाचार्य महाराज

श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ा हजारों भक्तों का जनसैलाब, शुक्रवार को होगा समापन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जीवन में गौमाता की सेवा प्रतिदिन करना चाहिए, हर व्यक्ति को अपने अपने घरों में गोमाता ओं को पालना चाहिए,भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही प्रसन्न होते है, इसलिए जीवन में हमेशा सत्कर्म ही करना चाहिए, जागरूक बनना जरुरी है, एकादशी सभी भक्तो को करना चाहिए,हनुमान चालीसा का पाठ प्रतिदिन करे, चौपाईयो को जरूर समझना चाहिए, हनुमानजी का स्मरण करने से मनुष्य का कल्याण अवश्य होता है, भगवान के आश्रित रहे,हर व्यक्ति को एक भाव में स्थिर रहना चाहिए, प्रकृति का संरक्षण करना बहुत ही आवश्यक है, हर व्यक्ति को पेड़ पौधे रोपना चाहिए,जीवन में जल ही जीवन है इसलिए जल बचाना जरूरी है,भारतीय परंपराओं को समझना आवश्यक है,जीवन में हर व्यक्ति को रिश्तों को अच्छे तरह से निभाना चाहिए,हर स्त्री को अपने पति की सेवा अवश्य करना चाहिए, पति पत्नी दोनो को एक दूसरे का आदर सम्मान जरूर करना चाहिए, गृहस्थी चलाने के लिए समझदारी होना बहुत जरूरी है,समाज के बीच हर व्यक्ति को रहना चाहिए। यह बाते गुरुवार को विश्व विख्यात कथावाचक आचार्य पं.श्री अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कनकेश्वरी माता मंदिर रोड स्थित मां कनकेश्वरी गरबा परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छटवे दिन कही। कथा श्रवण करने हजारों की संख्या में भक्तो का जनसैलाब उमड़ा। कथा में प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पधारे उन्होंने व्यासपीठ का पूजन कर महाराजश्री का आशीर्वाद लिया,विधायक रमेश मेंदोला ने मंत्री मिश्रा का हार फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। वही कथा के भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश,भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी भी पधारे उनका भी स्वागत सम्मान विधायक मेंदोला ने किया आयोजन प्रमुख विधायक रमेश मेंदोला ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में छटवे दिन श्री कृष्ण रुकमणी विवाह उत्सव मनाया गया, शहजारों महिलाओ ने भजनों पर नृत्य किया,कथा में हजारों भक्तो का जनसैलाब उमड़ा,कथा में आचार्य पं.श्री अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कृष्ण रुकमणी विवाह प्रसंग सहित विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया।

भगवान श्री हाटकेश्वर महादेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नागर ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष केदार रावल, महासचिव प्रभात नागर, योगेश शर्मा व महिला परिषद की अध्यक्ष श्रीमती उषा दवे व महासचिव विभूति जोशी ने बताया कि नागर समाज इंदौर द्वारा बुधवार को बड़ा गणपति स्थित हंसदास मठ, इंदौर में परंपरा, संस्कार व अध्यात्मक की त्रिवेणी के रूप में इष्टदेव भगवान हाटकेश्वर महादेव का जन्मोत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम समाज जन द्वारा भगवान श्री हाटकेश्वर महादेव का अभिषेक पूजन किया गया। तदुपरांत महाआरती की गई। उसके बाद बग्गी में भगवान हाटकेश्वर महादेव को विराजित कर शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें सुमधुर भजनों के साथ सैकड़ों की संख्या में समाज जन झूमते हुए एवं भगवान की आराधना करते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण शंकर पार्वती की वेशभूषा में चल रही महिला परिषद सदस्या थी। बड़ा गणपति से भ्रमण करते हुए शोभा यात्रा वापस हंसदास मठ पहुंची। जहां परंपरागत सामुहिक गरबा रास किया गया। शोभा यात्रा के उपरांत अतिथिगण वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती सुमन रावल, साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ0 विकास दवे, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश त्रिवेदी टमटा, शाखा अध्यक्ष केदार रावल, शिवांजली ट्रूस्ट के अध्यक्ष प्रवीण त्रिवेदी, विद्योत्तेजक ट्रूस्ट के अध्यक्ष असीम त्रिवेदी, महिला परिषद की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती अर्चना त्रिवेदी द्वारा भगवान हाटकेश्वर एवं माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम आध्यात्मिक गुरू प्रो. राजेंद्र नागर द्वारा अपने उद्बोधन में नागर ब्राम्हणों की उत्पत्ति के बारे में बताया।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

SAAT JANMO KA BANDHAN
YA JHUT FAREB KI ULJHAN

PATA KARE SACH,
DETECTIVE KE SANG

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे www.detectivegroup.in पर
Whatsapp us on +91-91110 50101

सीएम ने मुरैना एसपी आशुतोष बागरी को हटाया

मुख्यमंत्री को मिली शिकायतों के बाद जारी किए निर्देंश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मुरैना एसपी आशुतोष बागरी को हटाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। दरअसल, सीएम गुरुवार को मुरैना दौरे पर थे। यहां स्थानीय लोगों ने एसपी की शिकायत करते हुए उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए थे।

बात दें कि स्थानीय व्यक्ति कुछ मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से नाराज थे। जिसके चलते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुरैना एसपी को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। सीएम के इस आदेश के बाद से मुरैना पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

इंदौर में बच्चों को पढ़ाने पहुंच गए थे बागरी

बता दें कि बागरी साल 2015 बैच के आईपीएस हैं। पन्ना जिले के रहने वाले बागरी मुरैना में एडिशनल रढ के पद पर भी रह चुके हैं। इंदौर में पूर्वी क्षेत्र के एसपी रहते हुए आशुतोष बागरी एक दिन रविवार को बच्चों को पढ़ाने के लिए लालबाग गए थे। यहां छत्रीपुरा थाने के सिपाही संजय कांवरे कक्षा संचालित करते हैं। जहां पहुंचकर एसपी ने बच्चों को पढ़ाया। यहां बच्चों को पढ़ाते हुए एसपी ने कार्टून के जरिए बच्चों को अंग्रेजी सीखने के लिए प्रोजेक्टर की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही थी। यहां गरीब बस्ती के करीब 50 बच्चे रविवार को पढ़ने पहुंचते हैं।

मुरैना एसपी के पिता हुए थे सस्पेंड

जानकारी के मुताबिक मुरैना एसपी आशुतोष बागरी के पिता लालाजी बागरी बागरी के लिए भी जनवरी महीने में कलेक्टर ने निलंबित किया था। वे पेशे से सरकारी शिक्षक हैं और करदाता होते हुए भी गरीबों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ लेने का आरोप था। मुरैना पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के पिता द्वारा इस योजना का लाभ लिए जाने की जानकारी जैसे ही फैली थी तो उस वक्त काफी बवाल मच गया था। उनके नाम का टिकट भी न चुका था। जैसे ही नामों की सूची सार्वजनिक हुई तो उनके नाम का खुलासा हो गया।

प्रशासन ने जांच की थी

जब पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के पिता का नाम मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की लिस्ट में मिला तो प्रशासन ने जांच की। एसपी के माता-पिता का नाम लिस्ट में पाए जाने के बाद लालजी बागरी के लिए निलंबित कर दिया गया था। सूची से उनका नाम भी हटा दिया था। तब पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के पिता ने कहा था कि उन्हें यात्रा नहीं करनी थी। इसलिए उन्होंने इसकी विभागीय अनुमति भी नहीं ली थी। यह फार्म उन्होंने नहीं भरा था। किसी परिचित द्वारा फार्म भर दिया गया था। हां, उन्होंने फार्म पर दस्तखत जरूर किए थे।

कमलनाथ बोले- ये देशभर में दंगे-फसाद करा रहे

शिवराज का पलटवार- डर दिखाओ, वोट पाओ; नरोत्तम ने कहा- जहर उगलना इनकी परंपरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बुधवार को छिंदवाड़ा में रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। इसी दौरान का उनका एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे कह रहे हैं- आप सबको छिंदवाड़ा संभालना है। मुझे प्रदेश संभालने दीजिए। आप चाहते हैं कि मैं यहां बंधकर रह जाऊं, तो मैं बंध कर रह जाता हूं। आप सब जगह देख रहे हैं क्या हो रहा है? पूरे देशभर में क्या हो रहा है। पूरे देशभर में ये दंगे - फसाद करा रहे हैं।

कमलनाथ के इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, रोजा इफ्तार में जाकर दंगे-फसाद की बात कहकर क्या कहना चाहते हैं। डर दिखाओ, वोट पाओ। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, जहर उगलना कांग्रेस की परंपरा है। कभी कमलनाथ के करीबी रहे भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने भी हमला बोला है।

सलूजा ने यह वीडियो ट्वीट कर कहा- हनुमान भक्त श्री नाथ जी, रोजा इफ्तार में रोजेदारों से कह रहे हैं कि अब आपको छिंदवाड़ा संभालना है। दंगों का भय दिखाकर साथ लेने का प्रयास।

शिवराज बोले- मप्र इस समय शांति का टापू-

कमलनाथ के बयान पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, इससे उनकी कुटिलता जाहिर होती है। एक तरफ वे हनुमान भक्त होने का प्रचार करवाते हैं। दूसरी तरफ रोजा इफ्तार में जाकर दंगे-फसाद की बात कहकर क्या कहना चाहते हैं। क्या वे सबको इकट्ठा कर उनके वोट हासिल करने गए थे। ये स्तरहीन और घटिया राजनीति है। मध्यप्रदेश शांति का टापू है इस समय, कहां दंगे हो रहे हैं मप्र में? ये बदनीयती है, कुटिलता है, तुष्टिकरण कर कमलनाथ वोट हासिल करना चाहते हैं। मैं इसकी निंदा करता हूं।

नरोत्तम ने कहा- कांग्रेस को एक नहीं रख सके, देश को रहने दें

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, रोजेदारों के बीच बैठकर विष वमन करना, भय, अलगाव पैदा करना, ये कांग्रेस की परंपरा सी बनती जा रही है। पवित्र धार्मिक कार्यक्रम में दंगे - फसाद की बात क्यों करना थी। कांग्रेस विभाजन की राजनीति करती है। पिछले चुनाव में भी अल्पसंख्यक समाज के बीच में बैठकर इस तरह की बातें कर रहे थे। कब तक कमलनाथ जी इस तरह की सांप्रदायिकता का विष वमन करेंगे। ये कोई कांग्रेस की मीटिंग थोड़े ही थी। कमलनाथ जी कांग्रेस को एक नहीं रख पाए, देश को तो एक रहने दो।

उर्फी जावेद के खिलाफ सड़क पर उतरी भोपाली गर्ल

बोली-वो लड़की के नाम पर कलंक; हाथों में तख्तियां लेकर की अश्लीलता मुक्त भारत की मांग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। अपने पहनावे को लेकर सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस और मॉडल उर्फी जावेद के खिलाफ भोपाल की एक लड़की ने मोर्चा खोल दिया है। वह अकेले ही सड़क पर उतर आई है। अपने हाथों में तख्तियां लेकर कभी रेलवे स्टेशन तो कभी मुख्य चौराहों और जगहों पर खड़े होकर अश्लीलता मुक्त भारत की मांग बुलंद कर रही है। लड़की का नाम देववाणी प्रियंका राजपूत है। वह बीजेपी ऑफिस के सामने की सड़क पर धूप में करीब दो घंटे तक खड़ी रही। इस दौरान वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों का ध्यान खींचती रही।

प्रियंका बोली- लड़की के नाम पर कलंक है उर्फी जावेद-

प्रियंका राजपूत भोपाल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए काम करती हैं। उसका कहना है कि उर्फी जावेद का वीडियो देखा था। इसमें उसने बहुत ही कम कपड़े पहने थे। बच्चों पर इसका क्या असर पड़ेगा। ये बहुत गंदी चीजें हैं। हम भारत के विश्वगुरु होने की बात करते हैं। इससे देश की क्या छवि बनेगी? मैं कहती हूं कि उर्फी जावेद लड़कियों के नाम पर कलंक है। ऐसे जितने भी रील्स और वीडियो आते हैं, उनसे क्या संदेश देना चाहते हैं?

कौन हैं उर्फी जावेद-

उर्फी जावेद टीवी एक्ट्रेस हैं। वह टीवी सीरियल भैया की दुल्हनिया में अनी, मेरी दुर्गा में आरती, बेपनाह में बेला की भूमिका निभा चुकी है। यही नहीं, वह ये रिश्ता क्या कहलाता है में कामिनी जोशी और कसौटी जिंदगी की में भी तनीषा चक्रवर्ती का किरदार निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह बिग बॉस ओटीटी में भी आ चुकी हैं।

जीजा को घेरकर गोली मारी, फिर गले में सब्बल घोंपी

एक घंटे सड़क पर पड़ा रहा शव

राजगढ़। राजगढ़ में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां एक युवक को पहले दो गोली मारी फिर गले में सब्बल घोंपकर हत्या कर दी। उसका शव मेन रोड के पास एक घंटे तक पड़ा रहा। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक की बहन का आरोप है कि मेरे भाई ने गांव की ही एक लड़की से लव मैरिज की थी। भाभी के भाइयों ने ही मेरे भाई को बेरहमी से मार डाला। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

घटना जिले के माचलपुर थाना क्षेत्र के धानोदा गांव की है। जहां बुधवार शाम करीब 7.30 बजे लखन राजपूत (28) गांव के बस स्टैंड के पास राधेश्याम राठौर के मकान के सामने ट्रैक्टर-ट्रॉली से गेहूं खाली कर रहा था। उसी दौरान कुछ लोगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। युवक को घेरकर गोली मारी। फिर सब्ब्ल गर्दन के आर-पार कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई। लोग अपने घरों के अंदर चले गए। सूचना मिलने पर लखन की बहन मौके पर पहुंची और माचलपुर पुलिस को हत्या की सूचना दी गई। तब मामले से पर्दा उठा, सामने आया कि लखन राजपूत ऑनर किलिंग का शिकार हुआ है।

मृतक लखन की बहन सपना ने बताया कि उसके भाई लखन का गांव की नीतू कुंवर (26 वर्ष) से प्रेम प्रसंग था। नीतू के परिवार वालों ने 5 वर्ष पूर्व उसकी शादी कहीं ओर कर दी थी। पहले वाले पति से परेशान होकर वह अपने पिता के पास ही रह रही थी। इसी दौरान मेरे भाई ने घर से भागकर नीतू से 8 जुलाई को राजस्थान के झालावाड़ में लव मैरिज कर ली थी। कुछ दिनों बाद वे घर लौटे थे और अच्छे से रह रहे थे।

बीडीए के तत्कालीन इंजीनियर और ठेकेदार को तीन साल की सजा

भोपाल। कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में भोपाल विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री एमएम खान और ठेकेदार अशोक कुमार जैन को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। आरोपियों पर दो हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। फैसला गुरुवार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम विशेष न्यायालय राजीव पाल की कोर्ट ने सुनाया। शासन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक हेमलता कुशवाहा के साथ ऋषिराज द्विवेदी ने पक्ष रखा। लोकायुक्त कार्यालय में आरसी श्रीवास्तव ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि बीडीए के ग्राम अमरावद खुर्द प्रोजेक्ट के तहत प्लॉट्स काटे गए थे। इसमें विधुतीकरण का कार्य भी किया गया था। इसमें बीडीए के तत्काली कार्यपालन यंत्री एमएम खान ने पद का दुरुपयोग करते हुए भ्रष्टाचार किया। उन्होंने टेंडर को पब्लिश के पहले इस्टीमेट तैयार नहीं कराया।

महाकाल मंदिर के नंदी हॉल में जबरन घुसे नरोत्तम समर्थक

दर्शन करने पहुंचे थे गृहमंत्री, जमकर हंगामा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा गुरुवार दोपहर उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर गर्भगृह के बाहर से ही पूजन - अर्चन कर आशीर्वाद लिया। इसी बीच गृहमंत्री के साथ आए समर्थक जबरन नंदी हॉल में प्रवेश कर गए। इससे हंगामे की स्थिति बन गई।

गृहमंत्री बड़नगर रोड पर चल रही पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल होने के लिए उज्जैन पहुंचे थे। वे अपने 50 से अधिक समर्थकों के साथ आए थे। नंदी हॉल में प्रवेश के दौरान गृहमंत्री के साथ बड़ी संख्या में समर्थक जबरन अंदर घुस गए। पुलिस और मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन वे जबरन प्रवेश कर चांदी द्वार तक पहुंच गए। ऐसे में मंदिर प्रशासक को मोर्चा संभालना पड़ा।

कार्यकर्ताओं को गर्भगृह के सामने से हटाया

महाकाल मंदिर के प्रशासक संदीप सोनी और सहायक प्रशासक लोकेश चौहान ने मोर्चा संभाला और कुछ लोगों को पकड़कर बाहर किया। कुछ देर के लिए मंदिर में हंगामे की स्थित बन गई। बड़ी मुश्किल से कार्यकतार्ओं को गर्भगृह के सामने से हटाया गया। मंदिर प्रशासक संदीप सोनी ने कहा कि दिखवा रहे हैं। कुछ लोगों ने अनधिकृत प्रवेश किया था। उन्हें बाहर कर दिया गया था।

मीडिया से चर्चा के दौरान गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बाबा महाकाल से प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि बनी रहे, यही प्रार्थना की। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा महाकाल दर्शन करने के बाद कथावाचक प्रदीप मिश्रा की बड़नगर रोड पर चल रही कथा में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने व्यासपीठ का पूजन कर कथावाचक प्रदीप मिश्रा का आशीर्वाद लिया।

कथा की कमान कैलाश ने संभाली

सीहोर वाले पंडित प्रदीप मिश्रा के रुद्राक्ष महोत्सव में अव्यवस्थाओं से गुस्साए कैलाश विजयवर्गीय ने उज्जैन में उनकी कथा की व्यवस्था की कमान अपने हाथों में ले रखी है। इस बार वे सरकार को ये बताना चाहते हैं कि व्यवस्था कैसे होती है? उज्जैन में 4 अप्रैल से शुरू हुई कथा की तैयारियों के लिए वे 20 दिन पहले से जुटे थे। उज्जैन के सरकारी अमले को भी उन्होंने ताकीद कर दिया था कि यहां सीहोर जैसी गड़बड़ियां न हों।

संपादकीय

अभिव्यक्ति पर पहरा

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की आजादी को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार को नसीहत दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाई दावों के जरिए मीडिया पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने करीब डेढ़ साल पहले एक मलयालम टीवी चैनल का नवीकरण यह कहते हुए रोक दिया था कि उसका संचालन राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक है। केरल उच्च न्यायालय ने भी केंद्र के उस फैसले को उचित ठहराया था। तब चैनल के प्रबंधकों ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुहार लगाई थी और उसने फैसला आने तक चैनल को अपना प्रसारण जारी रखने की इजाजत दे दी थी। अब उस मामले में फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी चैनल का नवीकरण न करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है। किसी चैनल या मीडिया संस्थान पर इसलिए रोक नहीं लगाई जा सकती कि वह सत्ता के विरोध में विचार प्रकाशित-प्रसारित करता है। सरकार की आलोचना राज्य की आलोचना नहीं होती। सरकार की नीतियों के खिलाफ विचार प्रकट करना मीडिया का धर्म है और इसी से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। अगर सरकार इसलिए किसी चैनल पर प्रतिबंध लगा देती है कि वह उसके विरोध में विचार प्रकट करता है, तो इससे यह ध्वनित होता है कि सरकार केवल उन्हीं संचार माध्यमों को चलने देना चाहती है, जो उसके पक्ष में खबरें या वैचारिक सामग्री परोसते हैं। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय को भी आड़े हाथों लिया और बंद लिफाफे में सरकार की तरफ से पेश किए गए साक्ष्यों पर एतराज जताया। गौरतलब है कि बंद लिफाफे में सुझाव या साक्ष्य पेश करने पर सर्वोच्च न्यायालय कई मौकों पर तल्ख टिप्पणी कर चुका है और उसकी स्पष्ट राय है कि कोई भी दस्तावेज गोपनीय तरीके से पेश नहीं किया जाना चाहिए, उसे सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने आने देना चाहिए। फिर संबंधित चैनल पर यह भी आरोप था कि उसके मालिकों में से अधिकतर का संबंध जमात-ए-इस्लामी-हिंद से है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि इससे मीडिया के अधिकारों को बाधित नहीं किया जा सकता। स्वाभाविक ही, अदालत के इस फैसले से अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर एक और नजीर कायम हुई है। यह ठीक है कि मीडिया की आजादी का हमारे संविधान में उस तरह स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जिस तरह अमेरिका आदि लोकतांत्रिक देशों में है, मगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत मीडिया को यह अधिकार मिला हुआ है। इस तरह के अनेक फैसलों से मीडिया की स्वतंत्रता रेखांकित हुई है और उसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में स्वीकृति प्राप्त है। मगर सरकारें अक्सर मीडिया की निष्पक्षता और सरकारी नीतियों, फैसलों के विरुद्ध मुखरता से असहज महसूस करती देखी जाती हैं। उन पर अंकुश लगाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाती रही हैं। ऐसे अखबारों और समाचार चैनलों के हिस्से का विज्ञापन रोकना सरकारों का आसान हथकंडा है, जो उसके खिलाफ लिखते-बोलते हैं। इसे लेकर भी कुछ अखबारों ने कुछ साल पहले सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। तब भी अदालत ने सरकारों को ऐसी ही कड़ी फटकार लगाई थी। पिछले कुछ सालों से मीडिया की भूमिका को लेकर निराशा प्रकट की जाती रही है।

महिला जगत

शहीद मेजर की बेटी ने संभाली परिवार की विरासत, ऐसे कर रही पिता के सपने को पूरा

देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात सैनिक न तो अपने परिवार की और न ही जान की परवाह नहीं करते हैं। सैनिक जितने साहसी होते हैं, उनका परिवार उससे अधिक मजबूत होता है। किसी के पिता, तो किसी के पति देश की रक्षा के लिए शहीद हो जाते हैं। ऐसी ही एक बेटी ने अपने पिता को आतंकवाद विरोधी अभियान में खो दिया लेकिन उस बेटी ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की ठान ली और खुद भी सेना में शामिल हो गई। आज यह बेटी इस परिवार की तीसरी पीढ़ी है, जो देश की रक्षा के लिए सेना में भर्ती हुई है। देश की इस बेटी का नाम इनायत वत्स है। आइए जानते हैं इनायत वत्स की कहानी।

शहीद मेजर की बेटी हैं इनायत वत्स

इनायत वत्स हरियाणा के पंचकूला की रहने वाली हैं। इनायत अपने माता पिता की इकलौती बेटी हैं। इनायत के पिता का नाम नवनीत वत्स है जो कि सेना में मेजर के पद पर कार्यरत थे। जब इनायत महज ढाई साल की थीं, तब 2003 में मेजर नवनीत वत्स ने जम्मू कश्मीर के एक आतंकवाद विरोधी अभियान में जान गवां दी थी। इनायत वत्स के पिता को मरणोपरांत सेना पदक से सम्मानित किया जा चुका है। इनायत के नाना भी फौज में कर्नल थे।

ढाई साल की उम्र में इनायत ने पिता को खोया

20 साल पहले अपने पिता को खो चुकी इनायत ने अपने पिता की विरासत को जारी रखने का फैसला लिया और भारतीय सेना में शामिल हो गईं। अप्रैल में इनायत चेन्नई में स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में शामिल होने वाली हैं।

इनायत वत्स की शिक्षा

इनायत वत्स ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक किया और बाद में डीयू के हिंदू कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। इनायत को शहीदों के परिजनों के लिए राज्य की नीति के तहत राजपत्रित पद पर नियुक्ति मिल सकती हैं, लेकिन उन्हें पिता की तरह ही सेना में भर्ती होना था। इनायत की मां और उनके परिवार ने भी इस फैसले में उनका साथ दिया।

शहीद मेजर नवनीत वत्स और शिवानी की शादी को महज चार साल हुए थे जब वह शहीद हो गए थे। शिवानी उस समय सिर्फ 27 साल की थीं। उसके बाद वह चंडीमंदिर में एक आर्मी पब्लिक स्कूल में शिक्षिका के तौर पर कार्य करने लगीं।

Highlights

1. Narayana Murthy's son shares pics of his parents receiving Padma award 15 years apart
2. Israel launches attack on Hamas after more than 30 rockets fired at the country
3. Enemies will pay price: Netanyahu after Lebanon rockets hit Israel
4. Indian man awarded ₹11 crore over bus crash which left him critically injured in Dubai
5. Byju's lenders seek $200-mn prepayment to restructure loan: Report
6. Cabinet approves Indian Space Policy, 2023
7. Govt hospital's physiotherapist arrested for taking bribe in Pune
8. Car hits divider, rams into truck on Pune-Mumbai highway; 4 dead

RBI proposes expansion of UPI digital payments system to allow credit

NEW DEIHI, (Agency). In RBI's industrial outlook survey, the cost of raw materials is no longer as big a drag. Within the services outlook survey, selling prices have risen and profit margins have widened after shrinking for a few quarters (MINT)

"This initiative will further encourage innovation," RBI governor Shaktikanta Das said on Thursday during the announcement of the central bank's monetary policy decision.

UPI is an instant real-time payments system that allows users to transfer money across multiple banks without disclosing bank account details. Its popularity is seen to have reduced the usage of cash and debit cards for daily transactions.

In March 2023, UPI recorded 8.65 billion transactions, amounting to 14.05 trillion

rupees, its highest-ever since inception, data from the National Payments Corporation of India showed.

In a bid to boost digital payments, the RBI recently allowed RuPay credit cards to be linked to UPI. This was to enable customers to link their credit cards and pay via UPI.

By allowing banks to offer customers a pre-approved credit line, UPI accounts could now offer an alternative to credit cards, said Srinath Sridharan, an independent policy researcher. "It could change the way banks look at credit cards."

Commenting on India's digital infrastructure, the IMF said on Thursday, "Using this digital infrastructure India was able to quickly provide support to an impressive share of poor households during the pandemic. In the first months of the pandemic about 87 per cent of poor households received at least one benefit."

Google and Amazon struggle to lay off workers in Europe. Here's why

NEW DEIHI, (Agency). After announcing the largest rounds of layoffs in their history, US big tech companies are now learning how difficult it is to reduce headcount in Europe.

In the US, companies can announce widespread job cuts and let go of hundreds if not thousands of workers within months — and many have. Meanwhile, in Europe, mass layoffs among tech companies have stalled because of labour protections that make it virtually impossible to dismiss people in some countries without prior consultations with employee interest groups.

This has left thousands of tech workers in limbo, unsure about whether they'll be affected by negotiations that can drag on indefinitely.

In France, Google parent

Alphabet Inc. is currently in talks to reduce headcount through voluntary departures, offering severance packages that it hopes are generous enough to get workers to leave, people familiar with the matter said, asking not to be identified because the information isn't public. Amazon has tried to get some senior managers there to resign by dangling as much as one year's pay and has granted leave to departing employees so their shares can vest and be paid out as bonuses, one person with knowledge of the situation said.

Both in France and Germany, where labour laws are among the strongest in the EU, Google is currently in negotiations with works councils — company-specific groups whose elected employee representatives negotiate with management about workforce issues, according to a person familiar with the matter.

Bihar

दिखने लगा राम मंदिर का स्वरूप, सामने आई नई तस्वीरें, देखें कहां तक पहुंचा निर्माण कार्य

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को मंदिर निर्माण की ताजा तस्वीरें शेयर कीं. उन्होंने ट्वीट में तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के भूतल के खम्बों के ऊपर बीम रखने का कार्य शुरू हो गया है. वहीं, कुछ बीम रख भी दिये गये हैं. बता दें, मंदिर पर बीम चढ़ने के बाद अब मंदिर का स्वरूप दिखने लगा है.

बता दें, चंपत राय समय-समय पर अयोध्या में बन रहे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की अपडेट अपने ट्विटर हैंडल पर साझा करते रहते हैं. वीडियो और तस्वीरों के जरिए आम लोग भी श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की तस्वीरें देख

पाते हैं. राम मंदिर निर्माण की ताजा तस्वीरें शेयर करते हुए चंपत राय ने लिखा- 'श्री जन्मभूमि मन्दिर के भूतल के खम्बों के ऊपर बीम रखने का कार्य प्रारम्भ.'

Keral

85 साल की वृद्धा से दरिंदगी, शव से भी किया दुराचार; कर्नाटक में जघन्य कांड

मैसूर, (एजेंसी) कर्नाटक के मैसूर में एक जघन्य वारदात सामने आई है। यहां हासन जिले में एक खेत में 85 वर्षीय महिला का शव नग्न हालत में खेत में मिला। पुलिस की बताई कहानी के मुताबिक, आरोपी ने पहले वृद्धा से रेप करना चाहा। जब महिला ने विरोध किया तो पत्थर से सिर को कुचलकर मार डाला। इसके बाद दरिंदे ने शव से दुराचार किया। पुलिस ने इस जघन्य कांड के आरोप को भी पकड़ लिया है। उसने वारदात को कबूल कर लिया है। आरोपी महिला का पहचान वाला ही बताया जा रहा है। इस हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर दिया है।

मैसूर पुलिस के अनुसार, एक 85 वर्षीय महिला 1 अप्रैल को अरसीकेरे तालुक के एरेहल्ली गांव में खेत में गई थी और घर नहीं लौटी। परिजनों ने 2 अप्रैल को अरसीकेरे ग्रामीण थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के बाद दो अप्रैल को महिला का नग्न शव उसके खेत के पास एक सुनसान जगह पर मिला। जिसका सिर पत्थर से कुचला हुआ था। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि आरोपी तीन दिन पहले अपनी बाइक लेकर अपराध स्थल के पास खेत में घूम रहा था। आरोपी मिथुन कुमार (32) ने पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

New Delhi

कापसहेड़ा के सोनिया गांधी कैंप में लगी आग, दमकल की 16 गाड़ियां प्रयासरत, कोई जन हानि नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में आग लग गई है। दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर हैं। बताया जाता है कि आग सोनिया गाधी कैंप के एक गोदाम में लगी है। अभी किसी जन हानि की सूचना नहीं हैं। अग्निशमन विभाग, दिल्ली के मंडल अधिकारी सतपाल भारद्वाज ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। यह लकड़ी की दुकान थी। जल्द ही आग बुझा ली जाएगी। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

Arunachal Pradesh

बेगूसराय : तस्करी के शक में DRI का छापा, 10 किलो से ज्यादा सोना बरामद, 5 घंटे तक चली कार्रवाई

बेगूसराय, (एजेंसी) बेगूसराय में तस्करी के शक में पटना डीआरआई की टीम ने आभूषण प्रतिष्ठान स्वर्ण गंगा ज्वेलर्स में छापेमारी कर 10 किलो से अधिक सोने के आभूषण बरामद किये। संचालक पवन सोनी फरार हो गया है।

वहीं प्रतिष्ठान का संचालक पवन सोनी फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापे चल रही है। हालांकि डीआरआई की टीम फिलहाल कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। सूत्रों के अनुसार,

कुछ दिन पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर डीआरआई ने भारी मात्रा में स्वर्ण आभूषण बरामद किये गये थे। इसकी पड़ताल में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण तस्करी के सुराग मिले।

फिर आगे की जांच में इसके तार बेगूसराय के गंगा ज्वेलर्स से जुड़ते चले गए। कोलकाता एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति की गिरफ्तारी भी हुई थी। उसने भी पूछताछ में स्वर्ण व्यवसायी पवन सोनी का नाम लिया था। डीआरआई ने उसकी दुकान में पांच घंटे तक छापेमारी की। दुकान से बरामद कागजात एवं आभूषण की जांच की जा रही है।

खेल

RCB नहीं, एबी डिविलियर्स की नजर में यह टीम बन सकती है चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी) आईपीएल का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। अब तक कई रोमांचक मुकाबले खेले जा चुके हैं और आगे के मुकाबले और भी दिलचस्प रहने वाले हैं। कई टीमों ने अब तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है, वहीं कई टीमें स्लो स्टार्टर्स रही हैं। विराट कोहली और फाफ डुप्लेसिस की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बेहतरीन शुरुआत की और आठ विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत ने आरसीबी के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स के चेहरे पर भी मुस्कान ला दिया। हालांकि, डिविलियर्स ने किसी और टीम को इस साल के आईपीएल का संभावित विजेता बताया है।

आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जा चुके डिविलियर्स यह तो चाहते हैं कि उनकी टीम (RCB) विजेता बने, लेकिन उन्होंने संभावना जताई है कि हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस लगातार दूसरे साल आईपीएल का खिताब अपने नाम कर सकती है। गुजरात ने आईपीएल 2022 भी जीता था।

संभावित विजेता के बारे में पूछे जाने पर डिविलियर्स ने कहा- कहना बहुत कठिन है। काफी समय पहले मैंने आईपीएल ऑक्शन के

दौरान कहा था कि गुजरात टाइटंस बैक-टू-बैक खिताब जीतने वाली है। मैं उस पर टिका रहूंगा, भले ही मैं चाहता हूं कि आरसीबी जीत जाए। पिछले साल से मैंने महसूस किया है कि आरसीबी के पास वास्तव में एक बेहतरीन टीम है। यह टीम बहुत अच्छी तरह से संतुलित है। उनके पास पर्याप्त शक्ति है। उम्मीद है इस साल आरसीबी विजेता बने।

एबी डिविलियर्स का कहना है कि आईपीएल और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद विराट कोहली इस सीजन में तनावमुक्त और खुश दिखाई दिए हैं। कोहली ने मुंबई के खिलाफ नाबाद 82 रन की पारी खेली थी। उनकी पारी से आरसीबी ने मुंबई के खिलाफ आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। कोहली 2021 में आरसीबी की कप्तानी से हट गए थे। तब से फाफ डुप्लेसिस रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में कोहली की बल्लेबाजी में क्या बदलाव देखा है, इसके जवाब में डिविलियर्स ने कहा- मैंने बहुत बदलाव नहीं देखा है। सब कुछ पहले की तरह है। तकनीक ठोस दिखती है। उन्हें क्रीज पर अच्छा संतुलन मिला है। वह अभी भी विकेटों के बीच एक व्यस्त खिलाड़ी हैं। वह मैदान पर अपनी ऊर्जा दिखाते हैं। मुझे बस लगता है कि इस सीजन कोहली ताजा दिख रहे हैं। मैंने उनके कुछ इंटरव्यू देखे हैं जहां वह पहले से ज्यादा हंस रहे हैं।

डिविलियर्स ने कहा- मुझे लगता है कि पिछले सीजन में कप्तानी छोड़ने से कोहली को आराम मिला है। वह एक शानदार कप्तान थे, लेकिन उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और आईपीएल में भी लंबे समय तक ऐसा किया, जो चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आपको कभी भी समय नहीं मिलता है। ऐसे में खिलाड़ी चिल करें या परिवार के साथ समय बिताएं या कुछ दोस्तों के साथ हंसें। मुझे लगता है कि इस सीजन के लिए उनका यही मंत्र है।

सिनेमा

'बच्चों के साथ ऐसा मत करिए', फैन ने बेटी को दिया धक्का तो नाराज हुईं रवीना टंडन

रवीना टंडन पद्मश्री अवॉर्ड लेने के बाद वापस दिल्ली से मुंबई लौट चुकी हैं। वह अपने पूरे परिवार के साथ दिल्ली पहुंची थीं। मुंबई एयरपोर्ट पर रवीना अपनी बेटी राशा थडानी के साथ दिखीं। बुधवार की रात को पपराजी ने उनकी तस्वीरें क्लिक कीं। रवीना ने अपने एक हाथ में हैंडबैग और एक हाथ में पद्मश्री अवॉर्ड लिया हुआ था। एयरपोर्ट पर उनके कई फैन्स सेल्फी लेने के लिए आ गए। इसी बीच एक शख्स उनकी बेटी राशा को धक्का देता है तो रवीना उससे कहती हैं कि वह बच्चों को धक्का ना दें। आखिर में उन्होंने पपराजी से वादा किया कि वह जल्द ही उन्हें पार्टी देंगी।

एयरपोर्ट पर रवीना ने ब्लू कैजुअल आउटफिट पहना। बालों में उन्होंने गजरा लगाया था जो कि उन्होंने पद्मश्री अवॉर्ड लेने के दौरान खासतौर पर साड़ी के साथ मैच किया। रवीना चलते हुए पपरजी से बातें भी करती रहीं। जब एक पपराजी ने कहा कि बहुत खुशी हुई तो उन्होंने कहा, 'मुझे भी बहुत खुशी हुई।' आगे एक पपराजी ने कहा कि उनका गजरा बहुत अच्छा लग रहा है तो रवीना कहती हैं, 'मुझे बहुत अच्छे लगते हैं। मुझे जब मौका मिलता है लगा लेती हूं।'

वीडियो में आगे रवीना कार में बैठने वाली होती हैं तभी एक शख्स उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता है। रवीना उससे कहती हैं, 'आप धक्का मत दीजिए भाई साहब। बच्चों को धक्का मत दीजिए।'

सवा दो लाख की ठगी का मामला ...

नाबालिग आरोपी भी पकड़ाया

● **सायबर सेल पुलिस ने की कार्रवाई**

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंस्टाग्राम पर ट्रैडिंग कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच और ड्रीम 11 गैमिंग साइट पर पैसा कमाने के सब्जबाग दिखाकर सवा दो लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने जयपुर के एक आरोपी को गिर तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में स्टेट सायबर सेल ने एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। उसने पूछताछ में खुलासा किया है कि इस धोखाधड़ी में उसके कई स्कूली साथी भी शामिल हैं। उनकी भी तलाश की जा रही है।

स्टेट सायबर सेल एसपी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि फरियादी अरविन्द पिता गणेश राव जोशी ,इंदौर ने एक शिकायत आवेदन पत्र दिया। जिसमें किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक के पुत्र को इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग करने पर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच एवं ड्रीम 11 गैमिंग साइट पर रूपये कमाने का झांसा देकर 2 लाख 24 हजार /-रूपये की धोखाधडी के संबंध में दर्ज की गई थी। धारा 420 भादवि एवं 66डी आइटी एक्ट का केस दर्ज कर विवेचना की गई। फरियादी द्वारा दिये गये इंस्टाग्राम आइडी, बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी संबंधित नोडल से प्राप्त करने पर एवं उसका तकनीकी विश्लेषण करने पर एक संदिग्ध मोबाइल न बर एवं एक संदिग्ध कोटक महिन्द्रा बैंक का खाता प्राप्त हुआ। जिसके नाम पते की तस्दीक करने पर विवेक शुक्ला पिता अरविन्द कुमार शुक्ला,जयपुर राजस्थान के नाम पते से जिस्टर्ड होना पाया गया। उसे टीम ने राजस्थान से गिर तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में पता चला कि एक नाबालिग इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग के नाम पर फर्जी इंस्टाग्राम आइडी बनाकर इंस्टाग्राम आइडी के माध्यम से ट्रेडिंग कर 15 प्रतिशत अधिक लाभ कमाने का प्रलोभन देकर ट्रेंडिंग के लिये इन्ट्रेसटेड लोगों से गिर तार आरोपी विवेक शुक्ला के बैंक खाते में रूपये डलवा लेता था। मामले में इस नाबालिग के साथ मिलकर फरियादी के साथ धोखाधडी करने वाले अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। नाबालिग आरोपी ने पूछताछ में बताया गया कि दिस बर 2021 में स्कूल के साथी आरोपी से इंस्टाग्राम पर इंवेस्टमेंट कर 15 प्रतिशत मुनाफा दिलाने का एड लगाकर बुस्ट करने पर इंस्टाग्राम द्वारा एड लोगों की इंस्टाग्राम आइडी पर स्टोरी पोस्ट वह रील चली जाती है। जिसको देखकर इन्ट्रेस्टेड लोग मैसेज करते है। इंस्टाग्राम पर जो लोग मैसेज करते है। नाबालिग के स्कूल के साथी आरोपी द्वारा उन लोगों को ट्रेडिंग कर अधिक लाभ दिलाने का प्रलोभन दिया जाता था। जिससे लोग नाबालिग के स्कूल के साथी आरोपी द्वारा दिये गये क्यूआर कोड एवं यूपीआई आइडी पर रूपये डाल देते थे। नाबालिग के स्कूल के साथी आरोपी को रूपये डलवाने के लिये गिरोह अन्य आरोपी द्वारा बैंक खाते के क्यूआर कोड देता था, और उन खातों में आए पैसों का 15 से 20 प्रतिशत अपने पास रखकर बाकी रूपये केश लाकर दे देता है। इन दोनों को देखकर नाबालिग ने इंस्टाग्राम पर राज ट्रैडर्स आफिसियल नाम की इंस्टाग्राम आइडी बनायी थी। जिस पर नाबालिग के स्कूल के साथी आरोपी स्वयं एड लगाकर दिया था, क्योकि इस नाबालिग को एड लगाना नही आता था। नाबालिग उसके द्वारा दी गयी इंस्टाग्राम आइडी पर ट्रेडिंग में अधिक लाभ कमाने वाले एड एवं स्टेटस डालता था। जिसके एवज में जो रूपये आते थे, उसका 30 प्रतिशत रूपये उसे मिलते थे, बाकी का पैसा अरविंद शुक्ला के अलग-अलग नामों से बने खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था। आरोपी इस धोखाधड़ी से मिले पैसे से पिकनिक मनाने कई पर्यटन स्थलों पर जाते थे और जमकर पैसा खर्च करते थे। पकड़े गए नाबालिग आरोपी से उसके अन्य साथियों के बारे में जानकारी ली जा रही है। उक्त प्रकरण की विवेचना में इंस्पेक्टर अंजू पटेल, राजेन्द्रसिंह जाट,सब इंस्पेक्टर अ बाराम बारूड, आशीष जैन, धीरजसिंह गौर,रमेश भिडे एवं विक्रांच तिवारी, गजेन्द्रसिंह राठौर,राहुल भौसले, नमन शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

हम्माली को लेकर हत्या करने वाले तीन लोगों को आजीवन कारावास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हम्माली को लेकर हत्या करने वाले तीन हत्यारों को सत्र न्यायालय इंदौर ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हत्यारों के नाम गोलू उर्फ विकास पुत्र रवींद्रनाथ तिवारी, अक्षय पुत्र रवींद्रनाथ तिवारी और अमित पुत्र अभिमन प्रसाद पासवान तीनों निवासी राहुल गांधी नगर लसूडिय़ा हैं।

वारदात 25 मई 2019 की है। दोपहर करीब एक बजे ठेकेदार बबलू उर्फ ओमप्रकाश अपने मजदूरों के साथ मोटर साइकिल पर जा रहा था। जब वह लोहा मंडी के करीब पहुंचा तो तीनों आरोपितों ने मोटर साइकिल रोकी और हम्माली को लेकर विवाद करने लगे। विवाद के दौरान ही तीनों आरोपितों ने चाकू और कैंची से बबलू पर हमला कर दिया। आसपास के लोग बबलू को लहूलुहान स्थिति में निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

12 गवाहों के हुए बयान

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एजीपी दीपमाला राजपूत ने अभियोजन की तरफ से 12 गवाहों के बयान करवाए। सत्र न्यायाधीश कमलेश सनोडिया ने तीनों आरोपितों को आजीवन कारावास और डेढ़-डेढ़ हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

8 वाहनों पर 54 हजार 100 रुपए का जुर्माना लगाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में बिना परमिट चल रहे वाहनों के खिलाफ आरटीओ के निर्देश पर गुरुवार को अभियान जारी रखते हुए दो वैन, एक मिनी ट्रक व दो ऑटो रिक्शा जब्त किये गए। आरटीओ प्रदीप शर्मा के अनुसार आरटीओ व मंडलीय उडऩ दस्ते की टीम ने वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद भी चेकिंग अभियान जारी रखा और यात्री बसों सहित सार्वजनिक परिवहन वाहनों की जांच की। गुरुवार को विजय नगर चौराहे पर ड्राइव के दौरान 80 से अधिक बसों और अन्य वाहनों की जाँच की गई। हमने परमिट, बीमा, पीयूसी सर्टिफिकेट, ओवरलोडिंग, ओवर स्पीडिंग, प्रेशर हॉर्न और अन्य के लिए बसों की जांच की। मोटर वाहन अधिनियम के मानदंडों के उल्लंघन के लिए वाहन। उन्होंने कहा कि अभियान जारी रखा जाएगा और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए और बिना मानदंडों के चलने वाले वाहनों की जांच करने के लिए वे शहर भर में बसों की अचानक जांच भी शुरू करेंगे।

तीन साल के बच्चे की की मौत

करंट लगने के बाद एक माह तक जिंदगी और मौत से संघष करता रहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **तीन साल के बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। वह एक माह से अस्पताल में जिंदगी ओर मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। गुरुवार को उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक बाथरुम में बच्चे को करंट लग गया था। जिसके बाद उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था।**

रावजी बाजार पुलिस के मुताबिक घटना जबरन कालोनी की है। यहां रहने वाले तीन साल के ध्रुव पुत्र गौरव सिरसाट को 12 मार्च की शाम करंट लग गया था। इससे वह जल गया था। उसे उपचार के लिये एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां गुरुवार उसने दम तोड़ दिया।

ध्रुव के चाचा सोनू ने बताया कि रंगपंचमी पर वह ध्रुव को लेकर गेर देखने गए थे। शाम को आने के बाद सब नहाने के बाद खाना खाने लगे। इस दौरान ध्रुव हाथ धोने की जिद करने लगा। वह बाथरूम में गया। यहां एक प्लास्टिक की बाल्टी में पानी गर्म करने की रॉड लगी हुई थी। वह प्लग में लगी थी लेकिन स्विच ऑफ था। ध्रुव ने वह बाल्टी पकड़ ली। इस वजह से उसे करंट लगा और वह बाल्टी से चिपक गया। मैंने वहां पहुंचकर देखा तो ध्रुव बेसुध पड़ा था। रॉड निकालकर उसे उठाया और होश में लाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं उठा। उसे तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे।

ध्रुव के पिता गौरव दिल्ली में गैस फिटिंग का काम करता है। सोनू ने बताया कि जब ध्रुव डेढ़ साल का था। तब उसकी मां घर छोड़कर चली गई थी। तब से ध्रुव के दादा और चाचा सोनू ही उसकी देखरेख कर रहे थे। सोनू की एक साल पहले ही शादी हुई है। उसके परिवार में ध्रुव ही इकलौता बच्चा था।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर लगाई एक लाख से अधिक की चपत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एडवायजरी कंपनी के जरिए शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर एक लाख रुपए से अधिक की चपत लगाने के मामले में पुसिल ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी लालच में आ गया और बातों में आकर रुपए दे दिए, बाद में न तो उसे लाभ मिला और न ही रुपए वापस हुए तो पुलिस की शरण लेते हुए केस दर्ज कराया। खजराना पुलिस ने बताया कि पकंज पिता रामजी शर्मा 45 साल निवासी यशोदा नगर कानपुर उप्र की शिकाय पर मोबाइल नंबर 82694 16406 का धारक -फॉरेक्स ट्रेडिंग एडवाइजरी कंपनी पता मालू वन स्कीम नंबर 94 रिंग रोड , के सुमित के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2022 में आरोपी ने उससे संपर्क किया और उसको फॉरेक्स ट्रेडिंग एडवाइजरी कंपनी मे शेयर मार्केट में पैसा बड मिलने का बोलकर कुल 1 लाख 10 हजार रूपये लेकर उसके साथ धोखाधडी की। बाद में कई बार कहने के बाद भी कंपनी द्वारा उसके रुपए नहीं लौटाए गए।

ड्राइवर को बंधक बनाकर लूटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में सूनसान रास्ते पर आयशर लेकर जा रहे ड्राइवर को बदमाशों ने रोक लिया और उसे बंधकर बनाकर आयशर वाहन के साथ ही पर्स और मोबाइल लूटकर भाग निकले। पुलिस के अनुसार राजकुमार पिता शंकरलाल पांचाल निवासी निवासी 1027 उत्कर्ष पेराडाईज पीथमपुर राऊ बायपास थाना बेटमा की रिपोर्ट पर दो अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया है। उसने पुलिस को बताया कि अज्ञात आरोपियों ने उसे नायता मुण्डला ब्रिज के पास बायपास पर रोक लिया और चाकू दिखाकर फरियादी का आयसर ट्रक को लूट कर उसको बांध कर उसका एक मोबाइल व पर्स लूट कर भाग निकले। 2 अप्रैल को हुई घटना के मामले में पुलिस ने कल केस दर्ज किया और आरोपियों की तलाश कर रही है।

sponcership

Detective Group Report
SUBSCRIBE

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल

Daily Newspaper

www.dgr.co.in

Worldwide News portal

www.detectivegroupreport.com

Worldwide Youtube channel

https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें

+91 91110 30505

Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।

◆ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ◆*संपादक - पुष्पेंद्र पुष्प, ◆ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ◆ समूह PRO - एल.एन. उग्र ◆ फोन : 0731-2433676, मो.नं. 91111-56060 Website : www.dgr.co.in *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।